हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए प्रयासरत ज्ञान दीपक फाउंडेशन

शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और यह उसे मिलना चाहिए. अर्थ के अभाव में किसी भी बच्चे की शिक्षा प्रभावित नहीं होनी चाहिए. हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचे. इसकी जिम्मेदारी हर नागरिक की है. बच्चे राष्ट्र की आधारशिला हैं. उन्हीं पर देश की आने वाली उम्मीदें टिकी हैं. इसलिए देश के हर बच्चे का शिक्षित होना जरूरी है, क्योंकि 'पढ़ेगा -इंडिया, तभी आगे बढ़ेगा इंडिया' अत्यंत सारगर्भित इन पंक्तियों को सार्थक व कारगर बनाने के उद्देश्य से समाजसेवी संस्था ज्ञान दीपक फाउंडेशन (जीडीएफ) विगत एक अरसे से प्रयासरत है. संस्था की निरंतर गतिशीलता, उसके क्रिया-कलापों के साथ भावी उद्देश्यों की जानकारी के साथ प्रस्तुत है सच्चिदानंद पारीक की खास रिपोर्ट.

प्रीति अग्रवाल
संस्थापक निदेशक

श्वेता सराफ
सीइओ

सुमन चौधरी
वित्त प्रमुख

अनुष्का उपासक, क्रिएटिव और सोशल मीडिया हैंडलर

अन्वेषा चटर्जी
अकादमिक समन्वयक

निधि सराफ
समन्वयक गंगाधारा

श्वेता झोलिया
बालीगंज समन्वयक

पश्चिम बंगाल के एक प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठन के रुप में ज्ञान दीपक फाउंडेशन (जीडीएफ) हर बच्चे तक शिक्षा के प्रकाश को पहुंचाने के काम में जुटा है. उसने अपनी संस्था का नारा भी "LIGHT THE WISDOM" के रूप में रखा है. संस्था का मानना है शिक्षा आगे बढ़ने के लिए पहली जरुरत के रुप में है. जिस देश के लोग शिक्षित हैं, वही देश सफलता और उन्नति की राह में सबसे आगे है. इसलिए देश की वास्तविक उन्नति चाहते हैं तो फिर हमें देश के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा संपन्न बनाने के लिए पूर्ण मनोयोग से अग्रसर होना पड़ेगा.

फाउंडेशन की डॉयरेक्टर प्रीति अग्रवाल ने संस्था के गठन के पीछे के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए बताया कि हर व्यक्ति तक शिक्षा को पहुंचाने के ध्येय के साथ संस्था की स्थापना की गयी है. संस्था ने महसूस किया- बहुत सारे क्षेत्र और लोग अब भी ऐसे हैं, जो शिक्षा से वंचित हैं. आर्थिक स्थिति कारण रही हो या परस्थिति से जुड़ी लाचारी, पर शिक्षा तो सबको मिलनी ही चाहिए. इन्हीं विचारों को अपना ध्येय बना कर संस्था ने आगे बढ़ना प्रारम्भ किया. शुरुआत छोटे रुप में हुई, पर देखते ही देखते संस्था ने जल्द ही अपनी एक अलग पहचान बना ली. लोग जुड़ते गये, कारवां बढ़ता गया. गहरी लगन काम आयी और संस्था ने समाज के बीच एक भरोसा कायम कर लिया. एक-दो कदमों के साथ हुई सफर की शुरुआत ने स्थापना से लेकर अब तक कई मंजिलों की दूरियां दृढ़ इरादों के साथ तय की. शिक्षा से वंचित छात्रों को स्कूली शैक्षिक सहायता प्रदान करते हुए अपने आप को प्रमाणित किया. प्रीति अग्रवाल कहती हैं संस्था का अगला लक्ष्य निकट भविष्य में प्राथमिक विद्यालय की शुरूआत करना है और हम इस दिशा में प्रयासरत हैं.

संस्था की चीफ एक्सक्यूटीव ऑफिसर (सीइओ) श्वेता सराफ कहती है अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा न केवल एक व्यक्ति के लिए बल्कि उनकी आनेवाली पीढ़ियों के लिए भी एक सम्मानजनक जीवन के द्वार खोलती है. वह कहती हैं- हमारा संगठन एक ऐसे समाज की गठन की परिकल्पना के साथ अग्रसर है जहां माता-पिता की आर्थिक स्थिति बच्चे के लिए आवश्यक गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के अधिकार में बाधक न हो. सुशिक्षित और संपन्न सभ्य समाज उसके लिए आगे आये और हर एक बच्चे को एक उद्देश्य के साथ सार्थक जीवन जीने दिशा में प्रेरित करें.

प्रीति अग्रवाल संस्था की प्रगति यात्रा की जानकारी देते हुए बताती है कि शनै-शनै प्रगति की ओर अग्रसर हमारी संस्था ने वर्ष 2014 में कोलकाता के बालीगंज इलाके में संस्था के मुख्य कार्यालय के रुप में इसकी एक शुरुआत की. जहां इस वक्त 120 बच्चे अध्ययनरत हैं. 17 शिक्षा प्रभारी हैं, तो 15 के लगभग स्वयंसेवक. इसी कड़ी में संस्था ने वर्ष 2020 में प्रमोद नगर (कोलकाता) में शाखा शुरुआत की. 65 विद्यार्थी, 3 शिक्षा प्रभारी और दो स्वयंसेवक यहां कार्यरत है. 2021 में स्थापित शाखा गंगधारा (बिहार) में 60 विद्यार्थी, दो शिक्षा प्रभारी तथा दो कार्यकर्ता तो इसी साल बिहार के सोनपठाई में बनी नयी शाखा में सात विद्यार्थी और दो प्रभारी काम कर रहे हैं.

वर्तमान में बहुत सारे शिक्षा सेवा संस्थान शिक्षा जागृति प्रयास के तौर पर काम कर रहे हैं, ऐसे में जीडीएफ कैसे और किस प्रकार कुछ अलग ढंग से काम कर रहा है. इस सवाल के जवाब में प्रीति अग्रवाल कहती हैं - हमारे मिशन में स्थानीय शिक्षकों और गृहणियों को विशेष तौर पर शामिल किया जाता है. संस्था के सभी केंद्रों में ऑनलाइन प्रशिक्षण और फिर साइट पर प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था रहती है. गृह निर्माण को आप संस्था की रीढ़ के तौर पर मान सकते हैं. पाठ्यक्रम से लेकर सब कुछ हम खुद ही तैयार करते हैं. संस्था शिक्षा के अपने स्वयं अध्यापन की डिजाइन तैयार करती है और इसे क्रियान्वयन करती है. विद्यार्थी की क्षमता अनुसार पाठ्येत्तर गतिविधियां संचालित की जाती है. मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ हम विद्यार्थी के शारीरिक स्वस्थता पर भी पूरा जोर रखते हैं. कंप्यूटर कक्षाएं वरिष्ठ विद्यार्थी को दी जाती हैं, जहां व्यावहारिक अनुप्रयोगों को पढ़ाया जाता है.

प्रीति अग्रवाल के साथ श्वेता सराफ कहती हैं विद्यार्थियों की मेधा निखारने के लिए हम हर साल ही वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित करते हैं, ताकि बच्चों में और उत्साह जगे और वे और उत्साहित होकर अपने लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ें. प्रीति और श्वेता के अनुसार संस्था की ओर से साल में दो बार परीक्षा आयोजित की जाती है. बाल दिवस, शिक्षक दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्रता दिवस के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी बराबर आयोजित किये जाते हैं, ताकि विद्यार्थी आवश्यक अन्य एक्टीविटिज में भी आगे रहे. जीडीएफ के शिक्षक हर गतिविधियों के साथ बराबर यह भी जांचते रहते हैं कि बच्चों ने कॉन्सेप्ट को सही ढंग से समझा है या नहीं.

जीडीएफ की वर्किंग कमेटी मेम्बर्स श्वेता झोलिया (समन्वयक, बालीगंज), निधि सराफ (समन्वयक, गंगधारा), अन्वेषा चटर्जी (अकादमिक समन्वयक), अनुष्का उपासक(क्रियेटिव और सोशल मीडिया हैंडलर), सुमन चौधरी (वित्त प्रमुख) के साथ कोर कमेटी की सदस्या माधुरी वैंकटेश, मनीषा झुनझुनवाला, नवदीप सैनी, नेहा जैन,शिल्पा सराफ, सुमन बुबना, सुमन चौधरी, श्वेता जैन, टीना अग्रवाल आदि का सहयोग पाकर संस्था निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है.